

Министерство сельского хозяйства РФ

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования «Воронежский государственный аграрный университет имени императора Петра I»

План одобрен Ученым советом вуза  
Протокол № 12 от 24.06.2026

## УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

36.03.01

Направление 36.03.01 Ветеринарно-санитарная экспертиза

Направленность (профиль): Ветеринарно-санитарная экспертиза и ветеринарная санитария  
Кафедра: Ветеринарно-санитарной экспертизы, эпизоотологии и паразитологии  
Факультет: Ветеринарной медицины и технологии животноводства

Квалификация: бакалавр

Форма обучения: Заочная

Срок получения образования: 4 г. 10 м.

Год начала подготовки (по учебному плану) 2024  
Учебный год 2026-2027  
Образовательный стандарт (ФГОС) № 939 от 19.09.2017

| Код    | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты |
|--------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 13     | СЕЛЬСКОЕ ХОЗЯЙСТВО                                                                                            |
| 13.012 | РАБОТНИК В ОБЛАСТИ ВЕТЕРИНАРИИ                                                                                |

Типы задач профессиональной деятельности

производственный  
технологический

СОГЛАСОВАНО

Начальник управления по заочному обучению И.Н. Маслова / Маслова И.Н./

Декан П.А. Тарасенко / Тарасенко П.А./



УТВЕРЖДАЮ

Врио проректор по учебной работе

Дерканосова Н. М.

24.06 2026 г.

|  |  | Семестр 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 129 |  |  |  |
|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|
|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|